Dance

- History of India dance art- from prehistoric period to Independent India.
- Dance Literature - Ancient dance literature

  Middle age dance literature

  Bharat Natyashastra

  Sangeet Ratnakar

  Abhinaya Darpan

- Tandav and Lasya
- Traditional dance dramas.
- Kunchipudi, yakshagan, Ramleela, Rasleela, Nautanki, Nakkali.
- Modern dance, Dance drampa, sangeetika
- Study of different classical dance farms of India.
- Kathak, Bharatnatyam, Oddissee Manipuri, Mohiniattam, satriya.
- Study of western dance art - Ballet, Balroomdance, Oppera.
- Detailed study of Natan Bhedas.
- Types of Abhinaya.
- Ang, pratyang upang –Shirobheda, Dristibheda, Bhrusanchalan, Greeva Bheda.
- Hastabhinaya/Mudrabhinaya.
- Karan, Anghar, Rechak,
- Faces and traditions of India theatre.
- Tool of dance – stage arrangements, stage decoration, sound and light arrangements, costume, makeup, background music.
- Ras siddhant.
- Introduction, Bhava-vibhava

- Anubhava, sanchari Bhava, Nawa Rasa, Types of Rasa'sa, Ras Siddhanta.
- Nayak-Nayika Bheda.
- Tal prakaran- Defenition and orginine of Tal, Dashprans of Tal,
- Uttar and Dakshin Tal Paddhati. Different terminalogy related to Tal.
- Dance of south Estern Asia. Introduction
  Effect of Indian dances on south eastern asian dance.
- Essay Writing – 1. Tradition of dance in M.P.
  2. Different folk dance of M.P.
  3. Changing faces of dance presentation
  4. Classical and folk dance
  5. Collegiate education of dance etc.

विषय – नृत्य

Syllabus (पाठ्यक्रम)

- भारतीय नृत्य का इतिहास– प्रागैतिहासिक काल से स्वतंत्र भारत तक
- नृत्य साहित्य :– प्राचीन नृत्य साहित्य
- मध्यकालीन नृत्य साहित्य
  भरत नाट्यशास्त्र
  संगीत रत्नाकर
  अभिनय दर्पण
- ताण्डव एवं लास्य
- पारम्परिक, नृत्य नाट्य
  कुचिपुड़ी, यक्षगान, रामलीला, रासलीला, नौटंकी, नक्काली
- आधुनिक नृत्य, नृत्य–नाटिका, संगीतिका
- विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियां
  कथक, भरतनाट्यम, ओड़िसी, मणिपुरी, मोहिनीअट्टम, सत्रिय
- पाश्चात्य नृत्यकला– बैले, आपेरा, बालरूम डांस
- नटन भेद– विस्तृत अध्ययन
- अभिनय के प्रकार
- अंग, प्रत्यंग उपांग–
  शिरोभेद, दृष्टि भेद, भ्रू संचालन, ग्रीवा भेद
- हस्ताभिनय / मुद्राभिनय
  करण, अंगहार रेचक
- भारतीय रंगमंच का स्वरूप एवं परम्परा
- नृत्य के उपकरण
  मंच व्यवस्था, मंच सज्जा, दृश्य सज्जा, ध्वनि व प्रकाश व्यवस्था, वेशभूषा, रूप सज्जा, पार्श्वसंगीत।
- रस सिद्धांतः–
  रस का स्वरूप, भाव विभाव, अनुभाव, संचारी भाव, नव रस, मूल रस, रसों के प्रकार, रसों के वर्ण व देवता, रस सिद्धांत

- नायक–नायिका भेद
- ताल प्रकरण –
- ताल शब्द की व्याख्या, ताल की उत्पत्ति, ताल के दशप्राण, उत्तर तथा दक्षिण भारतीय ताल पद्धति, विभिन्न पारिभाषिक शब्द
- दक्षिण पूर्वी एशियाई नृत्य– परिचय
- दक्षिण पूर्वी एशियाई नृत्यों पर भारतीय नृत्यकला का प्रभाव

निबंध लेख–

- मध्यप्रदेश की नृत्य परम्परा
- मध्यप्रदेश के विभिन्न लोकनृत्य
- नृत्य प्रदर्शन का बदलता स्वरूप
- शास्त्रीय एवं लोकनृत्य
- महाविद्यालयीन नृत्य शिक्षण प्रणाली आदि.